Job

Chapter 33

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	וְאוּלָם	שְׁמַע־	נָא	אִיּוֹב	מִלָּי	וְכָל־	דְּבָרַי	הַאֲזִינָה׃
	लेकिन	सुन	कृपया	अय्यूब	शब्दों-मेरे	और-सब	बातों-मेरी	कान-लगा
	H0199	H8085	H4994	H0347	H4405	H3605	H1697	H0238

“किन्तु अय्यूब अब, मेरा सन्देश सुन। उन बातों पर ध्यान दे जिनको मैं कहता हूँ।

2	הִנֵּה־	נָא	פָּתַחְתִּי	פִי	דִּבְּרָה	לְשׁוֹנִי	בְחִכִּי׃
	देखो	कृपया	खोला-मैंने	मुंह-अपना	बोली	जीभ-अपनी	तालू-में-अपने
	H2009	H4994		H6310	H1696	H3956	H2441

मैं अपनी बात शीघ्र ही कहनेवाला हूँ, मैं अपनी बात कहने को लगभग तैयार हूँ।

3	יֹשֶׁר־	לִבִּי	אֲמָרָי	וְדַעַת	שְׂפָתַי	בָּרוּר	מִלֵּלוּ׃
	सीधेपन	हृदय-अपने-का	वचन-अपने	और-ज्ञान	होंठों-अपने-का	शुद्ध	बोलेंगे
	H3476		H0561	H1847	H8193	H1305	

मन मेरा सच्चा है सो मैं सच्चा शब्द बोलूँगा। उन बातों के बारे में जिनको मैं जानता हूँ मैं सत्य कहूँगा।

4	רוּחַ־	אֵל	עָשָׂתְנִי	וְנִשְׁמַת	שַׁדַּי	תְּחַיֵּנִי׃
	आत्मा	ईश्वर-की	बनाई-मुझे	और-सांस	सर्वशक्तिमान-की	जिलाती-है-मुझे
	H7307	H0410		H5397	H7706	H2421

परमेश्वर की आत्मा ने मुझको बनाया है, मुझे सर्वशक्तिशाली परमेश्वर से जीवन मिलता है।

5	אִם־	תּוּכַל	הֲשִׁיבֵנִי	עֶרְכָה	לְפָנַי	הִתְיַצָּבָה׃
	यदि	समर्थ	उत्तर-दे-मुझे	क्रम-कर	सामने-मेरे	खड़ा-हो
		H3201	H7725		H6440	H3320

अय्यूब, सुन और मुझे उत्तर दे यदि तू सोचता है कि तू दे सकता है। अपने उत्तरों को तैयार रख ताकि तू मुझसे तर्क कर सके।

6	הֵן־	אֲנִי	כְפִיךָ	לָאֵל	מֵחֹמֶר	קֹרַצְתִּי	גַם־	אָנִי׃
	देखो	मैं	मुंह-तेरे-की-तरह	ईश्वर-के-लिए	मिट्टी-से	गढ़ा-गया-हूँ-मैं	भी	मैं
	H2005	H0589	H6310	H0410		H7169	H1571	H0589

परमेश्वर के सम्मुख हम दोनों एक जैसे हैं, और हम दोनों को ही उसने मिट्टी से बनाया है।

7	הִנֵּה	אֵמָתִי	לֹא	תְבַעֲתֶךָּ	וְאַכְפִּי	עָלֶיךָ	לֹא־	יִכְבָּד׃
	देखो	भय-मेरा	नहीं	डराएगा-तुझे	और-दबाव-मेरा	तुझ-पर	नहीं	भारी-होगा
	H2009	H0367	H3808	H1204	H0405		H3808	H3513

अय्यूब, तू मुझ से मत डर। मैं तेरे साथ कठोर नहीं होऊँगा।

8	אַךְ	אָמַרְתָּ	בְאָזְנָי	וְקוֹל	מִלִּין	אֶשְׁמָע׃
	केवल	कहा-तूने	कानों-मेरे-में	और-आवाज़	शब्दों-की	सुनता-हूँ-मैं
	H0389	H0559	H0241		H4405	H8085

“किन्तु अय्यूब, मैंने सुना है कि तू यह कहा करता हैं,

9	זַךְ	אֲנִי	בְּלִי	פָשַׁע	חַף	אָנֹכִי	וְלֹא	עָוֺן	לִי׃
	शुद्ध	हूँ-मैं	बिना	अपराध	निर्दोष	हूँ-मैं	और-नहीं	अधर्म	मुझमें
	H2134	H0589	H1097	H6588	H2643	H0595	H3808	H5771	

तूने कहा था, कि मैं अय्यूब, दोषी नहीं हूँ, मैंने पाप नहीं किया, अथवा मैं कुछ भी अनुचित नहीं करता हूँ, मैं अपराधी नहीं हूँ।

לוֹ׃	לְאוֹיֵב	יַחְשְׁבֵנִי	יִמְצָא	עָלַי	תְּנוּאוֹת	הֵן	10
अपने-लिए	शत्रु-की-तरह	समझता-है-मुझे	ढूंढता-है	मुझ-पर	बहाने	देखो	
	H0341	H2803	H4672		H8569	H2005	

> यद्यपि मैंने कुछ भी अनुचित नहीं किया, तो भी परमेश्वर ने कुछ खोट मुझमें पाया है। परमेश्वर सोचता है कि मैं अय्यूब, उसका शत्रु हूँ।

אָרְחֹתָי׃	כָּל־	יִשְׁמֹר	רַגְלָי	בַסַּד	יָשֵׂם	11
मार्गों-मेरे	सब	देखता-है	पैरों-मेरे	काठ-में	रखता-है	
H0734	H3605	H8104	H7272	H5465		

> इसलिए परमेश्वर मेरे पैरों में काठ डालता है, मैं जो कुछ भी करता हूँ वह देखता रहता है।

מֵאֱנוֹשׁ׃	אֱלוֹהַּ	יִרְבֶּה	כִּי־	אֶעֱנֶךָּ	צָדַקְתָּ	לֹא־	זֹאת	הֶן־	12
मनुष्य-से	ईश्वर	बड़ा-है	कि	उत्तर-देता-हूँ-तुझे	धर्मी-है-तू	नहीं	यह	देखो	
H0582	H0433				H6663	H3808	H2063	H2005	

> “किन्तु अय्यूब, मैं तुझको निश्चय के साथ बताता हूँ कि तू इस विषय में अनुचित है। क्यों क्योंकि परमेश्वर किसी भी व्यक्ति से अधिक जानता है।

יַעֲנֶה׃	לֹא־	דְּבָרָיו	כָּל־	כִּי	רִיבוֹתָ	אֵלָיו	מַדּוּעַ	13
उत्तर-देता-है	नहीं	बातों-अपनी	सब	कि	लड़ता-है-तू	उससे	क्यों	
	H3808	H1697	H3605		H7378	H0413	H4069	

> अय्यूब, तू क्यों शिकायत करता है और क्यों परमेश्वर से बहस करता है तू क्यों शिकायत करता है कि परमेश्वर तुझे हर उस बात के विषय में जो वह करता है स्पष्ट क्यों नहीं बताता है

יְשׁוּרֶנָּה׃	לֹא	וּבִשְׁתַּיִם	אֵל	יְדַבֶּר־	בְאַחַת	כִּי־	14
देखता-है-उसे	नहीं	और-दो-बार	ईश्वर	बोलता-है	एक-बार	कि	
H7789	H3808	H8147	H0410	H1696	H0259		

> किन्तु परमेश्वर निश्चय ही हर उस बात को जिसको वह करता है स्पष्ट कर देता है। परमेश्वर अलग अलग रीति से बोलता है किन्तु लोग उसको समझ नहीं पाते हैं।

מִשְׁכָּב׃	עֲלֵי	בִּתְנוּמוֹת	אֲנָשִׁים	עַל־	תַּרְדֵּמָה	בִּנְפֹל	לַיְלָה	חֶזְיוֹן	בַּחֲלוֹם	15
बिस्तर	पर	नींदों-में	मनुष्यों	पर	गहरी-नींद	गिरने-पर	रात-का	दर्शन	स्वप्न-में	
H4904		H8572	H0376		H8639	H5307	H3915	H2384	H2472	

> सम्भव है कि परमेश्वर स्वप्न में लोगों के कान में बोलता हो, अथवा किसी दिव्यदर्शन में रात को जब वे गहरी नींद में हों।

יַחְתֹּם׃	וּבְמֹסָרָם	אֲנָשִׁים	אֹזֶן	יִגְלֶה	אָז	16
मुहर-लगाता-है	और-ताड़ना-उनकी-पर	मनुष्यों-का	कान	खोलता-है	तब	
H2856	H4561	H0376	H0241	H1540		

> जब परमेश्वर की चेतावनियाँ सुनते है तो बहुत डर जाते हैं।

יְכַסֶּה׃	מִגֶּבֶר	וְגֵוָה	מַעֲשֶׂה	אָדָם	לְהָסִיר	17
छिपाता-है	पुरुष-से	और-घमंड	कर्म-से	मनुष्य-को	हटाने-के-लिए	
H3680	H1397	H1466	H4639	H0120	H5493	

> परमेश्वर लोगों को बुरी बातों को करने से रोकने को सावधान करता है, और उन्हें अहंकारी बनने से रोकने को।

בַשָּׁלַח׃	מֵעֲבֹר	וְחַיָּתוֹ	שָׁחַת	מִנִּי־	נַפְשׁוֹ	יַחְשֹׂךְ	18
तलवार-से	पार-करने-से	और-जीवन-उसके	गड्ढे	से	प्राण-उसके	बचाता-है	
H7973			H7845		H5315	H2820	

> परमेश्वर लोगों को मृत्यु के देश में जाने से बचाने के लिये सावधान करता है। परमेश्वर मनुष्य को नाश से बचाने के लिये ऐसा करता है।

אֵתָן׃	עֲצָמָיו	(וְרוֹב)	[וריב]	מִשְׁכָּבוֹ	עַל־	בְמַכְאוֹב	וְהוּכַח	19
निरंतर	हड्डियों-उसकी	और-बहुत	और-लड़ाई	बिस्तर-उसके	पर	दर्द-से	और-ताड़ा-जाता-है	
H0386	H6106	H7230	H7379	H4904		H4341	H3198	

> “अथवा कोई व्यक्ति परमेश्वर की वाणी तब सुन सकता है जब वह बिस्तर में पड़ा हों और परमेश्वर के दण्ड से दु:ख भोगता हो। परमेश्वर पीड़ा से उस व्यक्ति को सावधान करता है। check वह व्यक्ति इतनी गहन पीड़ा में होता है, कि उसकी हड्डियाँ दु:खती है।

20

וְזִהֲמַתּוּ	और-घृणा-करती-है	H2092
חַיָּתוֹ	जीवन-उसका	
לָחֶם	रोटी-से	H3899
וְנַפְשׁוֹ	और-प्राण-उसका	H5315
מַאֲכַל	भोजन-से	H3978
תַּאֲוָה׃	इच्छा-के	H8378

फिर ऐसा व्यक्ति कुछ खा नहीं पाता, उस व्यक्ति को पीड़ा होती है इतनी अधिक की उसको सर्वोत्तम भोजन भी नहीं भाता।

21

יִכֶל	गलता-है	H3615
בְּשָׂרוֹ	मांस-उसका	H1320
מֵרֹאִי	दृष्टि-से	H7210
[ושפי]	और-उभरी	H8205
(וְשֻׁפּוּ)	और-उभरी	H8192
עַצְמוֹתָיו	हड्डियाँ-उसकी	H6106
לֹא	नहीं	H3808
רֻאּוּ׃	दिखती-थीं	H7200

उसके शरीर का क्षय तब तक होता जाता है जब तक वह कंकाल मात्र नहीं हो जाता, और उसकी सब हड्डियाँ दिखने नहीं लग जातीं!

22

וַתִּקְרַב	और-निकट-आता-है	H7126
לַשַּׁחַת	गड्ढे-के	H7845
נַפְשׁוֹ	प्राण-उसका	H5315
וְחַיָּתוֹ	और-जीवन-उसका	
לַמְמִתִים׃	मारनेवालों-के	H4191

ऐसा व्यक्ति मृत्यु के देश के निकट होता है, और उसका जीवन मृत्यु के निकट होता है। किन्तु हो सकता है कि कोई स्वर्गदूत हो जो उसके उत्तम चरित्र की साक्षी दे।

23

אִם־	यदि	
יֵשׁ	है	H3426
עָלָיו	उस-पर	
מַלְאָךְ	दूत	H4397
מֵלִיץ	मध्यस्थ	H3887
אֶחָד	एक	H0259
מִנִּי־	से	
אָלֶף	हज़ार	H0505
לְהַגִּיד	बताने-के-लिए	H5046
לְאָדָם	मनुष्य-को	H0120
יָשְׁרוֹ׃	सीधेपन-उसका	H3476

परमेश्वर के पास हजारों ही स्वर्गदूत हैं। फिर वह स्वर्गदूत उस व्यक्ति के अच्छे काम बतायेगा।

24

וַיְחֻנֶּנּוּ	और-कृपा-करता-है-उस-पर	
וַיֹּאמֶר	और-कहता-है	H0559
פְּדָעֵהוּ	छुड़ा-उसे	H6308
מֵרֶדֶת	उतरने-से	H3381
שָׁחַת	गड्ढे-में	H7845
מָצָאתִי	पाया-मैंने	H4672
כֹפֶר׃	फिरौती	

वह स्वर्गदूत उस व्यक्ति पर दयालु होगा, वह दूत परमेश्वर से कहेगा: 'इस व्यक्ति की मृत्यु के देश से रक्षा हो! इसका मूल्य चुकाने को एक राह मुझ को मिल गयी है।'

25

רֻטֲפַשׁ	ताज़ा-होगा	H7375
בְּשָׂרוֹ	मांस-उसका	H1320
מִנֹּעַר	यौवन-से	H5290
יָשׁוּב	लौटेगा	H7725
לִימֵי	दिनों-के	H3117
עֲלוּמָיו׃	जवानी-अपनी	H5934

फिर व्यक्ति की देह जवान और सुदृढ़ हो जायेगी। वह व्यक्ति वैसा ही हो जायेगा जैसा वह तब था, जब वह जवान था।

26

יֶעְתַּר	प्रार्थना-करेगा	H6279
אֶל־	को	H0413
אֱלוֹהַּ	ईश्वर-से	H0433
וַיִּרְצֵהוּ	और-प्रसन्न-होगा-वह-उससे	H7521
וַיַּרְא	और-देखेगा	H7200
פָּנָיו	मुख-उसका	H6440
בִּתְרוּעָה	जय-के-साथ	H8643
וַיָּשֶׁב	और-लौटाएगा	H7725
לֶאֱנוֹשׁ	मनुष्य-को	H0582
צִדְקָתוֹ׃	धार्मिकता-उसकी	H6666

वह व्यक्ति परमेश्वर की स्तुति करेगा और परमेश्वर उसकी स्तुति का उत्तर देगा। वह फिर परमेश्वर को वैसा ही पायेगा जैसे वह उसकी उपासना करता है, और वह अति प्रसन्न होगा। क्योंकि परमेश्वर उसे निरपराध घोषित कर के पहले जैसा जीवन कर देगा।

27

יָשֹׁר	गाएगा	H7789
עַל־	पर	
אֲנָשִׁים	मनुष्यों	H0376
וַיֹּאמֶר	और-कहेगा	H0559
חָטָאתִי	पाप-किया-मैंने	H2398
וְיָשָׁר	और-सीधा-को	H3477
הֶעֱוֵיתִי	टेढ़ा-मैंने	
וְלֹא־	और-नहीं	H3808
שָׁוָה	लाभदायक-था	
לִי׃	मेरे-लिए	

फिर वह व्यक्ति लोगों के सामने स्वीकार करेगा। वह कहेगा: 'मैंने पाप किये थे, भले को बुरा मैंने किया था, किन्तु मुझे इससे क्या मिला!

28

פָּדָה	छुड़ाया	H6299
[נפשי]	प्राण-मेरा	H5315
(נַפְשׁוֹ)	प्राण-उसका	H5315
מֵעֲבֹר	पार-करने-से	
בַּשָּׁחַת	गड्ढे-में	H7845
[וחיתי]	और-जीवन-मेरा	
(וְחַיָּתוֹ)	और-जीवन-उसका	
בָּאוֹר	ज्योति-में	H0216
תִּרְאֶה׃	देखेगा	H7200

परमेश्वर ने मृत्यु के देश में गिरने से मेरी आत्मा को बचाया। मैं और अधिक जीऊँगा और फिर से जीवन का रस लूँगा।'

29	הֶן־	כָּל־	אֵלֶּה	יִפְעַל־	אֵל	פַּעֲמַיִם	שָׁלוֹשׁ	עִם־	גָּבֶר׃
	देखो	सब	ये	करता-है	ईश्वर	दो-बार	तीन-बार	के-साथ	पुरुष
	H2005	H3605	H0428	H6466	H0410	H6471	H7969		H1397

“परमेश्वर व्यक्ति के साथ ऐसा बार—बार करता है,

30	לְהָשִׁיב	נַפְשׁוֹ	מִנִּי־	שָׁחַת	לֵאוֹר	בְּאוֹר	הַחַיִּים׃
	लौटाने-के-लिए	प्राण-उसके	से	गड्ढे	प्रकाशित-होने-के-लिए	ज्योति-में	जीवितों-की
	H7725	H5315		H7845	H0215	H0216	

उसको सावधान करने को और उसकी आत्मा को मृत्यु के देश से बचाने को। ऐसा व्यक्ति फिर जीवन का रस लेता है।

31	הַקְשֵׁב	אִיּוֹב	שְׁמַע־	לִי	הַחֲרֵשׁ	וְאָנֹכִי	אֲדַבֵּר׃
	ध्यान-दे	अय्यूब	सुन	मुझे	चुप-रह	और-मैं	बोलूँगा
	H7181	H0347	H8085			H0595	H1696

“अय्यूब, ध्यान दे मुझ पर, तू बात मेरी सुन, तू चुप रह और मुझे कहने दे।

32	אִם־	יֵשׁ־	מִלִּין	הֲשִׁיבֵנִי	דַּבֵּר	כִּי־	חָפַצְתִּי	צַדְּקֶךָּ׃
	यदि	है	शब्द	उत्तर-दे-मुझे	बोल	कि	चाहता-हूँ-मैं	धर्मी-ठहराना-तुझे
		H3426	H4405	H7725	H1696			H6663

अय्यूब, यदि तेरे पास कुछ कहने को है तो मुझको उसको सुनने दे। आगे बढ़ और बता, क्योंकि मैं तुझे निर्दोष देखना चाहता हूँ।

33	אִם־	אַיִן	אַתָּה	שְׁמַע־	לִי	הַחֲרֵשׁ	וַאֲאַלֶּפְךָ	חָכְמָה׃	ס
	यदि	नहीं	तू	सुन	मुझे	चुप-रह	और-सिखाऊँगा-तुझे-मैं	बुद्धि	—
		H0369		H8085			H0502	H2451	

अय्यूब, यदि तूझे कुछ नहीं कहना है तो तू मेरी बात सुन। चुप रह, मैं तुझको बुद्धिमान बनना सिखाऊँगा।”